U.P. EDUCATION SERVICE SELECTION COMMISSION, PRAYAGRAJ

Syllabus

MUSIC (TABLA)
(Assistant Professor-Higher Education)
(Subject Code-27)

1. Technical-Terminology

Nada, Shruti, Swara, Jati, Raga, Tala, Gamak, ,musical scales ,consonance and dissonance, Western & south Indian terminologies and their explanation, Matra,Sam, Vibhag, Taali, Khali, Laya, Bol, Theka, Avartan, Kism, Tihai (Damdar & Bedamdar), Baant, Rela, Rau, Laggi-Ladi, Uthan, Peshkaar, Farshbandi, Quida, Palta, Mukhda, Mohra, Gat and its kinds, Fard, Gat Quida, Tukda, Paran and its kinds.

2. Applied theory

Detailed knowledge of prevalent talas of Hindustani music, knowledge of tala Dashpranas and Marga and Deshi talas of ancient and medieval periods, the Basic principles of making Tihai, Comprehensive study of Hindustani and Karnatak tala system. Detailed study of different layakaris viz, Dugun, Tigun, Chaugun, Paungun, Ada, Kuada, Viada and other Laykaries

3. Principles of composing Chakradar

Sadharan, Farmaishi, Kamali and Nauhakka Chakradaars
Principle of Taal Rachna

4. Gharanas and Baj

Origin and Development of Gharanas in Hindustani Music and their contribution in reserving and promoting traditional Hindustani Classical Music. Merits and demerits of Gharana System.
Study of the traditions and specialities of different gharanas and Baj of Tabla.
Importance of Guru Shishya parampara.
Origin and development of Tabla and Pakhawaj. Making of Tabla and techniques of tuning it.

5. Contribution of Scholars to Indian Music and their textual tradition

Narad, Bharat, Dattil, Matanga, Sharangadeva, Pt. Bhatkhande, Pt. V. D. Paluskar, Gurudev Ravindra Nath Tagor. Study of ancient, medieval and modern treatises in Percussion instruments like Natyashastra, Sangeet Samaysar, Radha Govind Sangit Sar, Madan ul Mosiqui, Sangeet Shastra, Bhartiya Sangeet Me Taal aur Roop Vidhana, Abhinav Tala Manjari, and other treatises. Contribution of various Scholars to percussion instruments like Kudau Singh, Nana Panse , Bhagwan Das, Raja Chhatrapati Singh, Pt. Anokhe Lal Mishra, Ut Ahmadjan thirakwa,Ut Habibuddin Khan, Ut Afaq Hussain, Pt. Samta Prasad, Pt. Kishan Maharaj, Ud. Allarakha Kureshi, Pt. Kumar Lal Mishra, Ud. Zakir Hussain, Pt. Kumar Bose, Pt. Suresh Talwalkar, Pt, Anindo Chaterjee, Pt Swapan Chaudhary etc.

Study of important books of Tabla in present time

Bhartiya Sangeet Vadya , Bhartiya Taalon ka Shastriya Vivechan, Taal Kosh, Pakhawaj ewam Tabla ke Gharane aur Pramparayen, Tabla vadan mein nihit saundarya, Table ki utpatti vikas ewam vadan shailiyan, Tabla Puran.

6. Aesthetics

Principles of Aesthetics and its Realation to Indian Music. Rasa theory and its application in Indian Music. Detailed study of the Chhands used in music.

7. Instruments

Origin and evolution of various instruments and their well – known exponents.
Classification of Instruments.

8. Folk Music

Influence of folk music on Indian Classical Music.
Study of Indian Folk Percussion instruments.

9. Music Teaching and Research Technologies

Utility of teaching aids like electronic equipments in music education.
In The musical research, preparing synopsis, data collection, field work, writing project reports, finding bibliography, reference material etc.
Different aspects of music education. Research Methodology and its kinds.

10. Detailed study of the following Taals :

Teental, Jhaptal, Rupak, Sooltal, Chartal, Ektal, Teevra, Dhamar, Deepchandi, Ada chartal, Dadra, Kharva, Rudra, Pancham Sawari, Laxmi, Shikhar, Brahma, Tilwada, Jhoomra, Pashto, Badi sawari, Farodast, Basant, Gajjhampa.

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज

पाठ्यक्रम (SYLLABUS)

संगीत (तबला)
(विषय कोड–27)

1. पारिभाषिक शब्दावली :

नाद, श्रुति, स्वर, जाति, राग, ताल, गमक, स्वर–सप्तक, सुसंवाद, विसंवार/ ताल से सम्बंधित पाश्चात्य एवं कर्नाटक पारिभाषिक शब्दावली एवं उनका वर्णन।

ताल, मात्रा, सम, विभाग, ताली, या (भरी) खाली, लय, बोल, ठेका, आवर्तन फर्शबन्दी किस्म, तिहाई (दमदार एवं बेदम), बांट, रेला, रौ, लग्गी, लड़ी, उठान, पेशकारा, कायदा, पल्टा, मुखड़ा या मोहरा, गत एवं इसके प्रकार, फर्द, गत–कायदा, टुकड़ा, परन एवं उसके प्रकार।

2. प्रयोगात्मक शास्त्र :

हिन्दुस्तानी संगीत में प्रचलित तालों का विस्तृत ज्ञान, ताल के दश प्राणों एवं प्राचीन एवं मध्य काल के मार्ग तथा देशी तालों का ज्ञान, तिहाई निर्माण के मूल सिद्वान्त, हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक ताल पद्धतियाँ का विस्तृत अध्ययन, विभिन्न लयकारियों–दुगुन, तिगुन, चौगुन, पौनगुन, आड़, कुआड़, बिआड एवं अन्य लयकारी।

3. चक्रदार के रचना सिद्धांत :

साधारण चक्रदार, फरमाइशी चक्करदार कमाली चक्करदार नौहक्का, चक्करदार।

ताल रचना के सिद्धान्त

4. घराना और बाज :

हिन्दुस्तानी संगीत में घराना का उद्गम और विकास एवं पारम्परिक हिन्दुस्तानी संगीत की प्रगति तथा संरक्षण में घरानों का सहयोग। घराना पद्धति के गुण–दोष।

तबला के विभिन्न घरानों एवं बाज की परम्पराओं एवं विशेषताओं का अध्ययन।

गुरू शिष्य परम्परा का महत्व। तबला व पखावज की उत्पत्ति एवं विकास।

तबला की निर्मिति एवं मार्जना व तकनीक।

5. भारतीय संगीत के शास्त्रज्ञों का योगदान एवं उनकी शास्त्रात्मक परम्परा :

नारद, भरत, दत्तिल, मतंग, शारंगदेव, पं0 भातखण्डे, पं0 विष्णु दिगम्बर पलुष्कर, गुरू रवीन्द्र नाथ टैगोर।

अवनद्य वाद्य सम्बन्धित प्राचीन, मध्यकालीन तथा आधुनिक गंथों–नाटयशास्त्र, संगीत समयसार, राधागोविन्द संगीत सार, मअदल उल मौसीकी, संगीत शास्त्र, भारतीय संगीत में ताल और रूप विधान अभिनव ताल मंजरी, भारतीय संगीत वाद्य एवं अन्य ग्रंथ। प्राचीन, मध्य एवं आधुनिक काल के अवनद्य वाद्यों के विशेषज्ञ जैसे, कोदउ सिंह नानापानसे, भगवान दास, राजा छत्रपति सिंह, पं0अनोखे लाल मिश्र, उ0 अहमद जान थिरकवा, पं0सामता प्रसाद, उ0 हबीबुद्दीन खाँ, उ0 आफाक हुसैन पं0किशन महाराज उ0 अल्लारक्खा कुरैशी, पं0 कुमार लाल मिश्रा, पं0 सुरेश तलवलकर, उ0 जाकिर हुसैन, पं0 कुमार बोस, पं0 आनिन्दों चटर्जी, पं0 स्वपन चौधरी इत्यादि।

वर्तमान में तबला विषय पर लिखित महत्वपूर्ण पुस्तकों का अध्ययन, भारतीय संगीत वाद्य, भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन, ताल कोश परवावज व तबले के घराने व परम्पराएं, तबला वादन में निहित सौन्दर्य, तबले की उत्पत्ति, विकास व वादन शैलियां, तबला पुराण।

6. सौन्दर्यशास्त्र :

सौन्दर्यशास्त्र के सिद्वान्त एवं भारतीय संगीत से सम्बन्ध। रस सिद्वान्त एवं भारतीय संगीत में इसका प्रयोग। संगीतोपयोगी छंदों का विस्तृत अध्ययन।

7. वाद्य :

हिन्दुस्तानी संगीत में प्रयुक्त होने वाले वाद्य, उनकी उत्पत्ति, विकास तथा सुप्रसिद्व कलाकार।

वाद्यों का वर्गीकरण।

8. लोक संगीत :

भारतीय संगीत पर लोक संगीत का प्रभाव।

भारतीय लोक अवनद्ध वाद्यो का अध्ययन।

9. संगीत शिक्षण एवं शोध तकनीक :

संगीत शिक्षण के संदर्भ में इलेक्ट्रानिक यंत्रों एवं शिक्षण में प्रयुक्त की जाने वाली सहायक सामग्री की उपयोगिता।

संगीतात्मक शोध के अर्न्तगत संक्षेपिका, सामग्री संकलन, क्षेत्रीय कार्य, प्रोजेक्ट रिपोर्ट लेखन, संदर्भ ग्रन्थ सूची, संदर्भ सामग्री आदि से सम्बन्धित प्राविधि, संगीत शिक्षा के विविध आयाम्, शोध प्रविधि एवं उसके प्रकार।

10. निम्न तालों का विस्तृत अध्ययनः

तीनताल, झपताल, रूपक, सूलताल, चारताल, एकताल, तीवरा, धमार, दीपचंदी, आड़ाचारताल, दादरा, कहरवा, रूद्र, पंचम सवारी, लक्ष्मी, शिखर, ब्रहम, तिलवाड़ा, झूमरा, पश्तो, बड़ी सवारी, फरोदस्त, बसन्त, गजझम्पा।